



SHRI HEM BARUA (Mangaldai): Shri Nath Pai does not want any special privilege. If you did not hear his "No", is he responsible?

SHRI J. M. BISWAS (Bankura): I would like to convey one word, through you, to the Railway Minister. We have passed the Bill but let him give a proper account of the money spent.

SHRI NATH PAI: That he does.

12.52 hrs.

APPROPRIATION (NO. 4) BILL  
1969

THE DEPUTY MINISTER IN THE  
MINISTRY OF FINANCE (SHRI  
JAGANNATH PAHADIA): Sir, I  
move\*:

"That the Bill to authorise payment and appropriation of certain further sums from and out of the Consolidated Fund of India for the services of the financial year 1969-70, be taken into consideration."

SHRI S. M. BANERJEE (Kanpur): Sir, since there was no time to speak on the Demands yesterday, I would request that two or three minutes each may be allowed on this.

MR. SPEAKER: Motion moved:

"That the Bill to authorise payment and appropriation of certain further sums from and out of the Consolidated Fund of India for the services of the financial year 1969-70, be taken into consideration."

Shri Ramavtar Shastri.

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) :  
प्रध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि बिहार में राष्ट्रपति शासन है और वहाँ की सारी व्यवस्था केन्द्रीय सरकार के हाथ में है। बिहार के दफ्तरों में 2,26,000 सरकारी

कर्मचारी काम करते हैं। पिछले 5 अगस्त से लघु उद्योग में काम करने वाले कर्मचारी भूख हड़ताल कर रहे हैं, क्योंकि उनमें से 500 कर्मचारियों को नौकरी से हटा दिया गया है, जिनमें से 100 से ज्यादा औरतें हैं, जो सिलाई कढ़ाई का काम करती थीं। पहले 1300 कर्मचारियों की छंटनी की गई थी, लेकिन बाद में उनमें से 800 को कोई न कोई नौकरी दे दी गई, लेकिन 500 कर्मचारी अभी भी बेकार हैं। यह सवाल सम्बद्ध अधिकारियों, चीफ सेक्रेटरी और गवर्नर साहब के सामने भी पेश किया गया। उनसे मैंने कहा कि उन लोगों को नौकरी पर रख लिया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं किया गया है।

मजबूर होकर उन लोगों को बहुत दिनों तक एसेम्बली के सामने धरना देना पड़ा और उसके बाद गवर्नर साहब की कोठी के सामने धरना देना पड़ा। जब इस पर भी उनकी सुनवाई नहीं हुई, तो अब वे लोग भूख हड़ताल कर रहे हैं। उनमें से जो भूख हड़ताल करते हैं, उनको जेल में डाल दिया जाता है जेल में भी 20 दिन से भूख हड़ताल चालू है। कल रात मुझे टेलीफोन पर बताया गया कि श्री जगदीश सिंह की हालत बहुत गम्भीर है। वहाँ के प्रशासन की जबाबदेही केन्द्रीय सरकार पर है। इस लिए जिन 500 कर्मचारियों को नौकरी से हटा कर उनकी रोटी छीनी गई है, केन्द्रीय सरकार उन को नौकरी पर बहाल करे। इसके अतिरिक्त वहाँ के 2,26,000 सरकारी कर्मचारियों की पंद्रह दिन की तनख्वाह पिछले सान हड़ताल करने के कारण काट ली गई थी उन्हें वह तनख्वाह दिलाई जानी चाहिए। वे लोग भी गवर्नर साहब की कोठी के सामने भूख हड़ताल कर रहे हैं।

यह सरकार समाजवाद और बैंकों के राष्ट्रीयकरण की बात करती है। मुझे विश्वास है कि सरकार के कानों तक

\*Moved with the recommendation of the Chief Justice of India discharging the functions of the President.